महत्वपूर्ण एवं खास

जारी किया गया नया प्रोटोकॉल, अनावश्यक दवाईयां न देने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई नीति निर्धारित

रायगढ़ । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली द्वारा जारी किये गए नए प्रोटोकाल अनुसार एवं राज्य के वरिष्ठ डाक्टरों की अनुशंसा पर कोविड के ईलाज हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नया प्रोटोकॉल जारी किया गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली एवं आईसीएमआर की अनुशंसा अनुसार निर्देश जारी किए गए हैं कि रेमडेसिवीर, टोसीलिजुमाब एवं प्लाज्मा थेरेपी का उपयोग केवल अस्पतालों में ही किया जाए। इन दवाओं को प्रिस्काइब करने वाले डॉक्टर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह इन दवाओं के संबंध में मरीज की आवश्यकता का आकलन कर लें एवं यह भी सुनिश्चित कर ले कि मरीज को अन्य कोई बीमारी जैसे किडनी रोग, ह्रदय रोग, कैंसर आदि तो नहीं, यह दवाएं अभी एक्सपेरीमेंटल दवाएं हैं। अतः इन दवाओं को किसी भी मरीज को देने से पूर्व मरीज के परिजन से इन्फार्ड कंसेन्ट प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही राज्य सरकार ने यह भी निर्देश दिए है कि इन दवाओं के उपयोग के संबंध में राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा दवाओं के उपयोग की ऑडिट की जाएगी।

इमरजेंसी केयर टेक्निशियन पाठ्यक्रम राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में होगा शुरू

रायगढ़ । कोविड महामारी के दौरान इमरजेंसी केयर की अत्यंत आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में इमरजेंसी केयर टेक्निशियन का 01 वर्षीय सर्टिफिकेट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इसमें प्रवेश के लिए 12वीं परीक्षा फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। इस कोर्स में एक्सरे, पेथोलॉजी, पैरामेडिकल टेक्निशियन आदि के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। प्रदेश के 06 शासकीय मेडिकल चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, रायगढ़, राजनांदगांव व अम्बिकापुर में यह पाठ्यक्रम शीघ्र ही संचालित किया जाएगा। इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कल स्वीकृति आदेश जारी किया।

16 मई तक समस्त देशी व विदेशी मदिरा दुकान सहित, मदिरा की होम डिलीवरी रहेंगी पूर्णतः बंद

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु रायगढ़ जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को 16 मई 2021 रात्रि 12 बजे तक कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कलेक्टर सिंह ने 16 मई तक जिले की समस्त देशी व विदेशी मदिरा दुकानें, सी.एस.-2 (घघ कम्पोजिट शॉप), भण्डारण भाण्डागार, एफ.एल.3 होटल बार एवं मदिरा की होम डिलीवरी को पूर्ण रूप से बंद करने हेतु आदेश जारी किया है।

एयरपोर्ट की लापरवाही आई सामने, दिल्ली फ्लैट से जाने वाला यात्री कोरोना पाजीटिव निकला

रायपुर (आरएनएस)। देश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच एयरलाइन कंपनी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। विस्तारा की दिल्ली फ्लाइट से आ रहा एक यात्री कोरोना पॉजिटिव निकला है। रायपुर एयरपोर्ट पर जांच के दौरान यात्री संक्रमित पाया गया है। इस घटना के बाद से दूसरे यात्रियों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि कल प्रदेश में 15,785 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज़ों की पहचान की गई थी, वहीं 11,308 मरीज़ स्वस्थ होने के उपरांत डिस्चार्ज/रिकवर्ड हुए।

आइसोलेटेड मरीजों जल्द रिकवरी के लिए गाइडलाइन्स का करें पूर्णतः पालन, परामर्श के लिए संचालित है कंट्रोल रूम

रायगढ़ । शासन द्वारा कोरोना मरीजों के होम आइसोलेशन में रहने संबंधी गाइडलाइन जारी की गयी है। जिसके अनुसार ही कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के होम आइसोलेशन में रहने का निर्धारण किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने जानकारी देते हुये बताया कि होम आइसोलेटेड मरीजों के जल्द रिकवरी के लिए भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अनुसार ऐसे लोग होम क्वारेंटाईन रहते हुये दिनचर्या में कुछ बदलाव करें, जिससे वे जल्द से जल्द ठीक हो सकेंगे। जैसे समय पर उठना, नहाना-धोना एवं खाना समय पर करें। मन में नकारात्मक भाव पैदा न करें एवं मनोबल को बनाये

रखे। ज्यादा तली भुनी चीजे न खाये, बार-बार गुनगुना गर्म पानी पीते रहे। दिन में तीन से चार बार गर्म पानी का गरारा करें। पल्स आक्सीमीटर, थर्मामीटर अवश्य रूप से रखे दिन में दो से तीन बार ऑक्सीजन लेवल की जांच करते रहे व थर्मामीटर में शरीर के तापमान को नापे, नार्मल सेच्युरेशन 95 से 100 होती है अगर 95 से कम हो तो सांस लेने में कठिनाई हो तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि 5 से 6 मिनट वॉक करने के बाद अपना ऑक्सीजन लेवल जांच करने का सही तरीका है। शरीर का नार्मल तापमान 98.4 है। तापमान 100 से ऊपर बुखार कम न होने पर, पेट में दर्द होना, बलगम में खून आना अन्य किसी प्रकार परेशानी होती हो तो अपने होमआईसोलेशन के डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

होम आइसोलेटेड कोविड मरीज के लिये कंट्रोल रूम स्थापित

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग रायगढ़ ने होम आइसोलेटेड कोविड मरीज और उनके परिजनों के उचित देखभाल हेतु आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता व परामर्श के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम 24×7 संचालित किया जा रहा है। इसमें 03 पालियों में चिकित्सकों की ड्यूटी लगायी गयी है। जिनके नंबर्स स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। जिस पर होम आईसोलेशन के दौरान सहायता के लिये काल कर संपर्क किया का सकता है। होम आईसोलेशन सहायता केन्द्र सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक 7 6 4 7 9 2 1 1 9 3 , 7647921146, दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक 7647921172, 7647921147, रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक 7647921175, 7647921184 एवं 24×7 व्हाट्सअप्प पर परामर्श हेतु 7647921154, 7647921157 नंबर है। आपात काल एम्बुलेंस सेवा 108 एवं छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य हेल्प लाईन नंबर 104 है। जिला प्रशासन की जानकारी में यह बात पायी गई है कि कोविड-19 के मरीजों का उपचार करने वाले कुछ अस्पतालों द्वारा रेमडेसिवीर इंजेक्शन का मांग पत्र निर्धारित समय एवं निर्धारित प्रारूप में नहीं दिया जाता है जिसके कारण जरूरतमंद मरीजों को समय पर इंजेक्शन उपलब्ध कराने में कठिनाई उत्पन्न होती है। अतः अस्पतालों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन के दिशा-निर्देशानुसार पालन करते हुये निर्धारित प्रारूप में मांग पत्र प्रस्तुत करें। ताकि सभी जरूरतमंद मरीजों को सही समय पर रेमडेसिवीर इंजेक्शन उपलब्ध कराया जा सकें।

रेंज आईजी जारी किये बेरियर, चेक पाइंट में तैनात कर्मचारियों के लिए ईनाम के आदेश

रायगढ़। मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज, बिलासपुर रतन लाल डांगी रायगढ़ जिले के आकस्मिक भ्रमण पर थे। डांगी बिलासपुर से सड़क मार्ग से आते समय मुख्य मार्ग पर लॉकडाउन का पालन कराने के उद्देश्य से बनाये गये सभी बैरियर, चेक पाइंट में रुक कर जवानों से ड्यूटी के संबंध में पूछताछ किये और ड्यूटी दौरान संक्रमण से बचाव के लिये महत्वपूर्ण टिप्स दिये। आईजी डांगी द्वारा जवानों को बेरियर, चेक पाइंट की सुरक्षा को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए सभी वाहनों एवं आने-जाने वाले व्यक्तियों की सोशल डिस्टेंसिंग कर जांच के निर्देश दिये। डांगी जवानों को विपरीत परिस्थितियों में लगनपूर्वक कार्य करते देख उनका हौसला बढ़ते हुये नकद ईनाम दिये जाने की घोषणा किये जिसके पालन में आज उनके कार्यालय से कर्मचारियों का ईनाम आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार जिला पुलिस

बल रायगढ़ के आरक्षक विजय कुमार जांगड़े (आर.क्र.-874), आरक्षक गणेश पैकरा (आर.क्र.-1183) पुलिस चौकी जूटमिल को 500-500 रुपए नगद तथा इनके साथ कार्यरत जिला नगर सेना रायगढ़ के सैनिक मुनारी यादव (सैनिक क्र.-211),चेतराम डनसेना (सैनिक क्र.-266),कुलदीप लकड़ा (सैनिक क्र.-180), को 400-400 रुपएनगद ईनाम राशि आदेश जारी हुआ है। वरिष्ठ अधिकारियों की सराहना से कर्मचारियों को और अधिक लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए ऊर्जा प्राप्त होती है।

कोतरारोड़ पुलिस की मदद से घर पहुंची मानसिक रूप से कमजोर महिला

» डभरा क्षेत्र की महिला भटकर पहुंची चिराईपानी गांव, पुलिस परिजनों का पता लगाकर सकुशल पहुंचाई घर

रायगढ़। कोरोना संकट के दौरान देश में जगह-जगह से पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आ रहा है। रायगढ़ जिले में पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के मानवीय सोच व निर्देशन में जिला पुलिस के विशेष प्रयासों से ÷पुलिस हेल्प डेस्क÷ के जरिये जरूरतमंदों को भोजन एवं जीवनोपयोगी वस्तुंए उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ अधिकारीगण लोगों की

चिकित्सा सुविधाएं एवं मेडिसिन उपलब्ध कराने में भी यथासम्भव मदद कर रहे हैं। वहीं थाना प्रभारियों को भी अनेकों प्रकार की मदद के लिये कॉल सूचना प्राप्त हो रहे हैं।

इसी क्रम में दिनांक 04.05.2021 को थाना प्रभारी कोतरारोड़ निरीक्षक चमन सिन्हा को थानाक्षेत्र के ग्राम चिरईपानी में करीब 30 वर्षीय महिला को अकेली घूमते देखकर गांव के सज्जन व्यक्ति द्वारा सूचना दिया गया था। सूचनाकर्ता बताया कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही। तब थाना प्रभारी मामले को गंभीरता से लेते हुए पेट्रोलिंग के प्रधान आरक्षक प्रेम सिदार को उसी समय चिराईपानी भेजे। प्रधान आरक्षक प्रेम सिदार चिराईपानी पहुंचकर महिला को खाना खिलाये, उसे बिस्किट, पानी बॉटल देकर पूछताछ किये परन्तु महिला मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण स्वयं के बारे में कुछ बता नहीं पा रही थी। प्रधान आरक्षक आसपास गांव के सरपंच, पंच और बीडीसी को फोन कर महिला की तस्वीरें भेजकर पता लगाये। पता चला कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नही है, डभरा क्षेत्र की रहने वाली है, पति को छोड़कर अपनी मां के पास रहती थी, कुछ दिन पहले घर से निकली है। थाना प्रभारी कोतरारोड़ को महिला के डभरा क्षेत्र के होने की जानकारी मिलने पर डबरा क्षेत्र के बीडीसी से फोन में चर्चा कर महिला को उसके मायके सुखापाली थाना डभरा जिला जांजगीर पहुंचाने के लिये रात ही में चार पहिया वाहन की व्यवस्था किये और थाने की महिला आरक्षक प्रियंका मिंज और आरक्षक बलराम साहू के साथ महिला को सुखापाली के लिये रवाना किये। कोतरारोड़ स्टाफ महिला को उसके मां के सुपुर्द किया गया, परिवार के लोगों की देखरेख में महिला अधिक सुरक्षित रहेगी। कोतरारोड़ पुलिस के इसी प्रकार के माननीय कार्य की क्षेत्रवासियों द्वारा सराहना की जा रही है।

प्रदेश में कोरोना की रफ्तार में हुआ इजाफा, रायपुर-दुर्ग में आई कमी आंध्र प्रदेश में फैले कोरोना के स्ट्रेन का बस्तर क्षेत्र में बढ़ा खतरा

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना संक्रमण कुछ दिन स्थिर रहने के बाद फि र से रफ्तार पकड़ी है। प्रदेश में कुछ दिन पहले 12 हजार पाजीटिव केस आ रहे थे, लेकिन मंगलवार को प्रदेश में 15785 नए मामले सामने आए। वहीं 210 लोगों की मौत हुई है। चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश में कोरोना के नए हॉट स्पाट उभर रहे हैं। बिलासपुर संभाग में जहां संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वहीं बस्तर में आंध्र प्रदेश में फैले कोरोना के स्ट्रेन का खतरा बढ़ गया है। बिलासपुर संभाग के 4 जिलों रायगढ़, कोरबा, जांजगीर-चांपा और बिलासपुर में मरीजों की संख्या एक हजार से अधिक रही

है। इस बीच आंध्र प्रदेश में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर बस्तर बार्डर पर अलर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह स्ट्रेन 15 गुना अधिक संक्रामक है। संक्रमण के 4 से 5 दिनों के भीतर यह सांसों की गंभीर समस्या पैदा कर रहा है। बस्तर संभाग के सीमावर्ती जिले आंध्र और तेलंगाना से लगे हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों के बीच आवाजाही भी है। ऐसे में सरकार ने बस्तर संभाग के जिलों को सीमाओं पर जांच में सख्ती लाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि हर वाहन की निगरानी की जाए। कोई भी बिना जांच और दस्तावेज के प्रदेश की सीमा में प्रवेश न कर सके। आने वाले लोगों की जांच और मरीजों की व्यवस्था की जाए।

रायपुर और दुर्ग में राहत, मरीजों की संख्या कम हुई

दूसरी ओर राहत की बात यह है कि अप्रैल महीने की शुरूआत में जिस रायपुर और दुर्ग जिले में एक दिन में औसतन 2 हजार से अधिक मरीज मिल रहे थे, वहां अब यह संख्या एक हजार या उससे कम हो गई है। रायपुर में मंगलवार को 1008 नए मरीज मिले। वहीं दुर्ग में संक्रमितों की संख्या 899 रही।

मोटर सायकल पर शराब लेकर जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार, 7 लीटर शराब व बाइक जब्त

» लॉकडाउन के बीच कोतरारोड पुलिस की अवैध महुआ शराब पर कार्रवाई

रायगढ़। मंगलवार को थाना प्रभारी कोतरारोड़ निरीक्षक चमन सिन्हा व सहायक उप निरीक्षक अर्जुन चन्द्रा के नेतृत्व में स्टाफ कोविड 19 संक्रमण की रोकथाम एवं जन जागरूकता हेतु ग्राम बायंग, नंदेली, रानीगुढा, उसरौट की ओर रवाना हुये थे। पेट्रोलिंग दौरान पुलिस पार्टी को मुखबीर से सुचना मिला कि मांड नदी पुल के पास दो व्यक्तियों को मोटर सायकल सीजी 13-पी-9481 में महुआ शराब रखे हुये हैं। सूचना पर पुलिस टीम मांड नदी पुल के पास उसरौट चौक पर संदेहियों के आने का इंतजार की। मुखबिर द्वारा बताये गये मोटर सायकल पर दो संदेहियों को आता देख स्टाफ उन्हें रोड़ पर रोक कर उनके बैग की तलाशी लिया गया जिसमें एक 05 लीटर जरकिन तथा एक 02 लीटर वाली कोका कोला के बॉटल में कुल

07 लीटर महुआ शराब (कीमती 840 रूपये) मिला। पूछताछ में आरोपी रामाधार भटट पिता गोविंद राम भटट उम्र 38 वर्ष और विजेन्द्र भटट उर्फ अरूण भटट पिता अर्जुन भटट उम्र 33 वर्ष दोनो साकिन सोनुमुडा बजरंगपारा चौकी जुटमिल थाना कोतवाली रायगढ से महुआ शराब 07 लीटर एवं मोटर सायकल क्र0 सीजी 13-पी-9481 कीमती 15,000 रूपये जप्त किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध थाना कोतरारोड़ में धारा 34(2),59(क) आबकारी एक्ट की कार्यवाही की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने की छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को फ्रंट लाइन वर्कर घोषित करने की मांग

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर प्रदेश के पत्रकारों को फ्रंट लाइन वर्कर घोषित करने की मांग की है।

पूर्व मुख्यमंत्री डा. सिंह ने पत्र में कहा कि पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर जनता और सरकार के बीच सेतु का काम कर रहे हैं। रमन सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि कोरोना आपदा काल में चिन्हाकिंत फ्रंट लाइन वर्कर्स के अलावा इस लड़ाई में मीडिया कर्मियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। प्रिन्ट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर सरकार और जनता के मध्य सूचना सेतू बनकर काम कर रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों में मीडिया के साथी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं।

रमन सिंह ने कहा कि इस कठिन समय में कई पत्रकार साथी कोरोना संक्रमण के पश्चात दिवंगत भी हो चुके हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्य सरकारों ने पत्रकारों को कोरोना फ्रंट लाइन वर्कर मानते हुए उनकी चिन्ता की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों को फ्रंट लाइन वर्कर मानते हुऐ इस श्रेणी में रखे गए अन्य लोगों की तरह ही सुरक्षा प्रदान करे। पत्रकारों और उनके परिजनों को कोविड टीकाकरण में प्राथमिकता देने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करे।

दो बार हुआ कोरोना संक्रमण, लेकिन वैक्सीन ने दी बड़ी राहत

» स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ने बताया अपना अनुभव वैक्सीन लगने के बाद संक्रमित हुआ तो लगा ही नही कोविड हुआ है

रायगढ़ । कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए वैक्सीनेशन किया जा रहा है। वैक्सीन लगवाने से कोरोना से लड़ने शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती मिलती है। वैक्सीनेटेड लोगों के अनुभव भी इस बात को पुष्टि करते हैं कि वैक्सीनेशन के पश्चात भी यदि संक्रमण होता है तो गंभीर स्थिति में जाने या अस्पताल में एडमिट होने की संभावनाएं भी न्यूनतम होंगी।

रायगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में कार्य करने वाले भुवनेश्वर मालाकार दो बार कोरोना से संक्रमित हो चुके

हैं। एक बार वैक्सीन लगवाने से पहले और दूसरी बार वैक्सीन लगवाने के बाद। वे बताते हैं कि दोनों बार के संक्रमण के अनुभव काफी अलग रहे। वे स्वास्थ्य विभाग में स्टाफमैनेजमेंट उनकी भर्ती नियुक्ति और पदस्थापना संबंधी कार्य करते हैं। इस सिलसिले में कई लोगों से रोजाना उनकी मुलाकात होती है। इसके चलते वे दो बार कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। पहली दफा पिछले वर्ष 5 सितंबर को और दूसरी बार इस वर्ष 12 अप्रैल को वे कोरोना पॉजिटिव आए थे। दूसरी बार पॉजिटिव आने से पहले उन्होंने वैक्सीन के अपने दोनों डोज ले लिया था। उन्होंने बताया कि पहली बार जब संक्रमित हुए थे तो स्थिति ज्यादा खराब थी। ऑक्सीजन लेवल 85 तक गिर गया था। इलाज के बाद भी शरीर में कमजोरी थी। खून में प्लेटलेट और हिमोग्लोबिन कम हो गया था। लंबे समय तक शरीर में कमजोरी बनी हुई थी पूरी तरह से रिकवर होने में लगभग एक से डेढ़ माह का समय लग गया था। वहीं इस बार 11 अप्रैल की रात हरारत व बुखार आने पर उन्होंने 12 अप्रैल को जांच करवाई। जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वे कहते हैं रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने अपने आप को आईसोलेट कर इलाज लेना शुरू कर दिया। बुखार तो 12 अप्रैल को ही जा चुका था। घर में दवाइयां लेने लगा। इस दौरान ऑक्सीजन लेवल पूरी तरीके से नॉर्मल था। मेरा मानना है कि वैक्सीनेशन ने मुझे वायरस के विरुद्ध एक मजबूत इम्यूनिटी प्रदान की है। क्योंकि इस बार संक्रमित होने पर न तो कमजोरी आई या किसी और प्रकार के लक्षण नही उभरे। मुंह में स्वाद थोड़ा कम हुआ था लेकिन एक दो दिन में वो भी वापस आ गया था। गंध भी पूरी तरह से पता चल रहा था। चार-पांच दिनों में बिल्कुल नॉर्मल हो गया था। तथा 17 दिन की आइसोलेशन के बाद वापस काम में आ चुका हूं इस दौरान मुझे किसी और प्रकार के टेस्ट करवाने की जरूरत महसूस नहीं हुई अभी मैं बिल्कुल स्वस्थ हूं। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज कोरोना संक्रमण के खिलाफ वैक्सीन सबसे बड़ा हथियार है यह न केवल संक्रमण के गंभीर दुष्परिणामों से बचाता है बल्कि आप अगर संक्रमित होते भी हैं तो आपके शरीर में वायरल लोड इतना कम होता है कि आप में गंभीर लक्षण नहीं उभरते तथा किसी प्रकार की कोई और परेशानी नहीं होती अतः सभी को यह वैक्सीन लगवानी चाहिए इसमें किसी प्रकार का संशय या भ्रम नहीं रखना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480